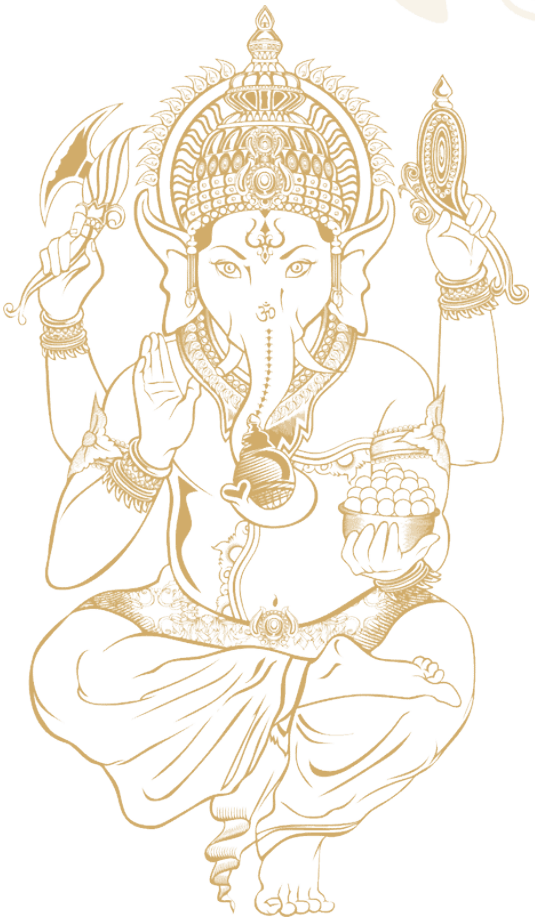

Karan

Rijul Narwal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120778303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/06/1994	जन्म तिथि	05/09/1999
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 22:30:00	जन्म समय	11:33:00 घंटे
घटी 42:48:00	जन्म समय(घटी)	13:50:21 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:22:48	सूर्योदय	06:00:51
19:18:42	सूर्यास्त	18:38:38
23:46:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:57

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 11वर्ष 6मा 5दि	15:38:26	मक	लग्न	तुला	29:45:58	राहु 1वर्ष 4मा 2दि
बुध	26:45:19	वृष	सूर्य	सिंह	18:23:50	शनि
16/12/2024	23:44:16	मिथु	चंद्र	मिथु	19:00:24	07/01/2017
16/12/2041	20:09:26	मेष	मंगल	वृश्चि	07:41:01	08/01/2036
बुध 15/05/2027	14:35:15	मिथु	बुध	सिंह	15:11:16	शनि 11/01/2020
केतु 11/05/2028	11:36:20	तुला व	गुरु व	मेष	10:55:53	बुध 20/09/2022
शुक्र 12/03/2031	01:58:50	कर्क	शुक्र व	कर्क	25:35:58	केतु 30/10/2023
सूर्य 16/01/2032	18:30:44	कुंभ	शनि व	मेष	23:17:52	शुक्र 29/12/2026
चन्द्र 17/06/2033	29:50:11	तुला व	राहु	कर्क	18:51:59	सूर्य 11/12/2027
मंगल 14/06/2034	29:50:11	मेष व	केतु	मक	18:51:59	चन्द्र 12/07/2029
राहु 31/12/2036	01:53:04	मक व	हर्ष व	मक	19:53:34	मंगल 20/08/2030
गुरु 08/04/2039	29:00:40	धनु व	नेप व	मक	08:07:50	राहु 26/06/2033
शनि 16/12/2041	02:14:49	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:58:12	गुरु 08/01/2036

लग्न-चलित

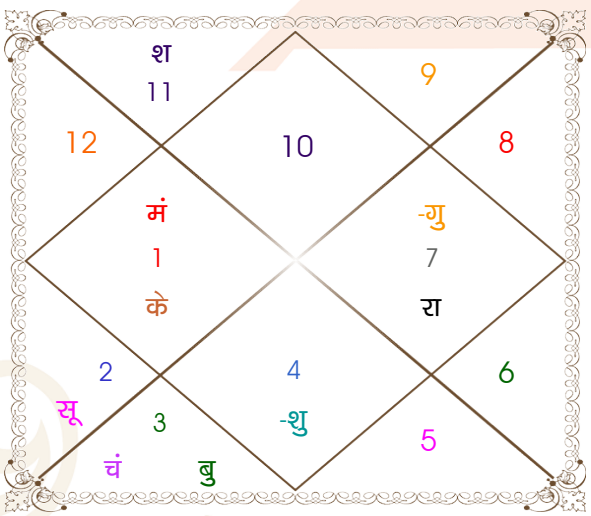

लग्न-चलित

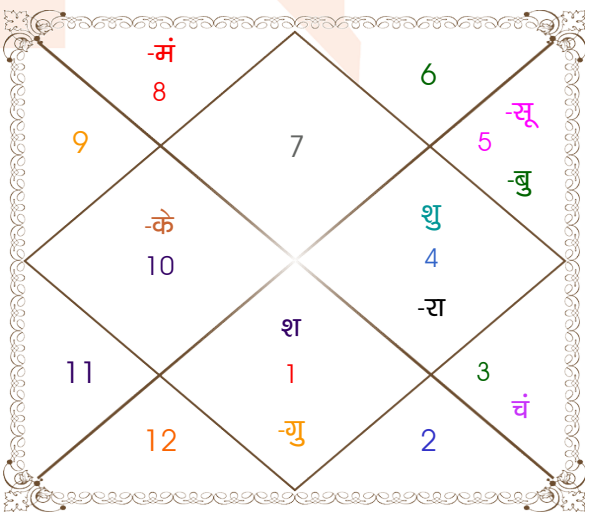

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि त्परनस छंतूंस का नक्षत्र आर्द्रा है।

झंतंद का वर्ग मार्जार है तथा त्परनस छंतूंस का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंतंद और त्परनस छंतूंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

झंतंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल झंतंद कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल झंतंद कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्परनस छंतूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

झंतंद तथा त्परनस छंतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।